भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

05.08.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2844 का उत्तर

पश्चिम बंगाल के मथुरापुर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में रेल विकास परियोजनाएं

2844. श्री बापी हलदर:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पश्चिम बंगाल के मथुरापुर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में रेल विकास कार्यों और परियोजनाओं के लिए 2022-23 से आवंटित निधि का योजना वार और वर्ष वार ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त अवधि के दौरान आवंटित निधि के सापेक्ष हुए वास्तविक व्यय का वर्ष वार और योजना-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) उक्त निर्वाचन क्षेत्र में स्वीकृत कार्यों की परियोजना-वार भौतिक और वित्तीय प्रगति क्या है और उनकी वर्तमान स्थिति क्या है तथा इनके पूरा होने की संभावित तिथि क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा रेल परियोजनाओं के समय पर कार्यान्वयन और आवंटित निधि के बेहतर उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए/उठाए जा रहे कदम क्या हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): मथुरापुर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में निम्नलिखित परियोजनाएं शुरू की गई हैं:

यात्री सुविधाएं:

पश्चिम बंगाल राज्य में स्थित मथुरापुर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के मथुरापुर रोड स्टेशन पर प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्रतीक्षालय, पेयजल व्यवस्था, मूत्रालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, उच्च स्तरीय प्लेटफॉर्म, ऊपरी पैदल पुल आदि जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। हाल के वर्षों में 3 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल का कार्य पूरा कर लिया गया है।

पश्चिम बंगाल राज्य में स्थित मथुरापुर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के लक्ष्मीकांतपुर स्टेशन पर प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्रतीक्षालय, पेयजल व्यवस्था, मूत्रालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, उच्च स्तरीय प्लेटफॉर्म, ऊपरी पैदल पुल आदि जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। प्लेटफॉर्म की सतह की ऊंचाई बढ़ाने का कार्य और गाड़ी संकेतन बोर्ड को संस्थापित करने का कार्य हाल के वर्षों में पूरा कर लिया गया है।

पश्चिम बंगाल राज्य में स्थित मथुरापुर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के संग्रामपुर स्टेशन पर प्रतीक्षालय, पेयजल व्यवस्था, मूत्रालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, उच्च स्तरीय प्लेटफॉर्म, ऊपरी पैदल पुल आदि जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। हाल के वर्षों में प्लेटफॉर्म की ऊंचाई बढ़ाने का कार्य पूरा कर लिया गया है।

पश्चिम बंगाल राज्य में स्थित मथुरापुर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के नेत्रा स्टेशन पर प्रतीक्षालय, पेयजल व्यवस्था, मूत्रालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, उच्च स्तरीय प्लेटफॉर्म, ऊपरी पैदल पुल आदि जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। हाल के वर्षों में नए बुकिंग कार्यालय का कार्य पूरा कर लिया गया है।

निचले सड़क पुल:

क्र.सं.	समपार का ब्यौरा	निर्माण कार्य की लागत (करोड़ रु. में)	टिप्पणियां
1	बरुईपुर-नामखाना खंड पर समपार संख्या 53	11	सामान्य व्यवस्था आरेख (जीएडी) और विस्तृत अनुमान (डीई) संबंधी कार्य शुरू कर दिया गया है।
2	बरुईपुर-नामखाना खंड पर समपार संख्या 55	10	सामान्य व्यवस्था आरेख (जीएडी) और विस्तृत अनुमान (डीई) संबंधी कार्य शुरू कर दिया गया है।
3	बरुईपुर-नामखाना खंड पर समपार संख्या 57	11	सामान्य व्यवस्था आरेख (जीएडी) और विस्तृत अनुमान (डीई) संबंधी कार्य शुरू कर दिया गया है।
4	बरुईपुर-नामखाना खंड पर समपार संख्या 58	11	सामान्य व्यवस्था आरेख (जीएडी) और विस्तृत अनुमान (डीई)

			संबंधी कार्य शुरू कर दिया गया है।
5	बरुईपुर-नामखाना खंड पर समपार संख्या 62	11	सामान्य व्यवस्था आरेख (जीएडी) और विस्तृत अनुमान (डीई) संबंधी कार्य शुरू कर दिया गया है।
6	बरुईपुर-नामखाना खंड पर समपार संख्या 65	10	सामान्य व्यवस्था आरेख (जीएडी) और विस्तृत अनुमान (डीई) संबंधी कार्य शुरू कर दिया गया है।
7	बरुईपुर-नामखाना खंड पर समपार संख्या 71	10	सामान्य व्यवस्था आरेख (जीएडी) और विस्तृत अनुमान (डीई) संबंधी कार्य शुरू कर दिया गया है।
8	बरुईपुर - नामखाना खंड पर 100/5-6 कि.मी. पर गैर-समपार कार्य	5	विस्तृत अनुमान (डीई) संबंधी कार्य शुरू कर दिया गया है।
9	बरुईपुर नामखाना खंड पर 79/3-4 कि.मी. पर गैर-समपार कार्य	5	विस्तृत अनुमान (डीई) संबंधी कार्य शुरू कर दिया गया है।

पश्चिम बंगाल:

रेल बजट:

हाल के वर्षों में बजट आबंटन में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। परियोजनाओं के लिए बजट आबंटन किसी परियोजना में हुई प्रगति को ध्यान में रखते हुए किया जाता है। पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:-

अवधि	परिव्यय
2009-14	4,380 करोड़ रुपए प्रति वर्ष
2026-27	14,205 करोड़ रुपए (3 गुना से अधिक)

स्वीकृत परियोजनाएं:

दिनांक 01.04.2026 की स्थिति के अनुसार, पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाली 83,433 करोड़ रुपए की लागत से कुल 5,148 कि.मी. लंबाई की 63 परियोजनाएं (14 नई लाइन, 04 आमान परिवर्तन और 45 दोहरीकरण) स्वीकृत हैं। इसका सारांश निम्नानुसार है:

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 2026 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2026 तक कुल व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइनें	14	1,056	337	13,872
आमान परिवर्तन	4	1,201	854	3,676
दोहरीकरण/बहुपथन	45	2,891	530	10,401
कुल	63	5,148	1,721	27,949

हाल ही में पूरी की गईं परियोजनाएं:

पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली और हाल ही में पूरी की गईं कुछ परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	रामपुरहाट-मंदारहिल नई लाइन (130 कि.मी.)	908
2	अजीमगंज-मुर्शिदाबाद नई लाइन (7 कि.मी.)	164
3	बर्धमान-कटवा आमान परिवर्तन (52 कि.मी.)	696
4	अहमदपुर-कटवा आमान परिवर्तन (52 कि.मी.)	440
5	पांशकुड़ा-खड़गपुर दोहरीकरण (45 कि.मी.)	408
6	लालगोला - जियागंज दोहरीकरण (23 कि.मी.)	124
7	कृष्णानगर-बेथुयाडहरी दोहरीकरण (28 कि.मी.)	152
8	नबद्वीपधाम-पाटुली दोहरीकरण (22 कि.मी.)	170
9	बेथुयाडहरी-पलासी दोहरीकरण (23 कि.मी.)	132

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
10	अंबिकाकलना-नबद्वीपधाम दोहरीकरण (23 कि.मी.)	145
11	नलहाटी-सागरदिघी दोहरीकरण (26 कि.मी.)	193
12	तामलुक जंक्शन.- बसुल्या सुताहता दोहरीकरण (24 कि.मी.)	245
13	पलासी- जियागंज दोहरीकरण (54 कि.मी.)	234
14	अजीमगंज-मणिग्राम दोहरीकरण (21 कि.मी.)	150
15	न्यू कूचबिहार-गुमानीहाट दोहरीकरण (29 कि.मी.)	330
16	न्यू कूचबिहार-सामुकताला रोड दोहरीकरण (29 कि.मी.)	445
17	सांइथिया-तारापीठ तीसरी लाइन (22 कि.मी.)	186
18	अंबरी फलाकाटा-न्यू मयनागुड़ी दोहरीकरण (38 कि.मी.)	843
19	बैण्डेल-बोइंची - तीसरी लाइन (31 कि.मी.)	546
20	बैंची-शक्तिगढ़ तीसरी लाइन (26 कि.मी.)	424
21	बाजार सउ-अजीमगंज जंक्शन दोहरीकरण (42 कि.मी.)	343
22	सागरदिघी- मालदा टाउन दोहरीकरण (25 कि.मी.)	248
23	खड़गपुर-नारायणगढ़ तीसरी लाइन (24 कि.मी.)	270
24	मोनिग्राम-निमता दोहरीकरण (24 कि.मी.)	713
25	पुरुलिया-कोटशिला दोहरीकरण (36 कि.मी.)	393

चालू परियोजनाएं:

पश्चिम बंगाल में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुछ परियोजनाएं, जिन्हें शुरू किया गया है, का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	चाण्डिल-दामोदर तीसरी लाइन (121 कि.मी.)	1,932
2	तारकेश्वर-बिष्णुपुर नई लाइन (83 कि.मी.)	1,542
3	सिवोक-रंगपो नई लाइन (44 कि.मी.)	11,973
4	बालुरघाट-हिली नई लाइन (30 कि.मी.)	1,209
5	कालियागंज-बुनियादपुर नई लाइन (33 कि.मी.)	1,147

6	कटिहार-कुमेदपुर और कटिहार-मुकुरिया दोहरीकरण (65 कि.मी.)	943
7	खड़गपुर-आदित्यपुर तीसरी लाइन (132 कि.मी.)	3,450
8	नारायणगढ़-भद्रक तीसरी लाइन (153 कि.मी.)	3,425
9	कालीपहाड़ी-बख्तरनगर 5वीं लाइन (18 कि.मी.)	350
10	डानकुनि-बाल्टीकुरी तीसरी और चौथी लाइन (18 कि.मी.)	429
11	मुरारई-बड़हरवा तीसरी लाइन (49 कि.मी.)	935
12	राणाघाट-कृष्णानगर सिटी तीसरी लाइन (26 कि.मी..)	446
13	अलुआबाड़ी रोड़-न्यू जलपाईगुड़ी तीसरी और चौथी लाइन (57 कि.मी.)	1,630
14	साइंथिया-पाकुड़ चौथी लाइन (81 कि.मी.)	1,569
15	सांतरागाछी - खड़गपुर चौथी लाइन (111 कि.मी.)	2,905
16	बारबेंदा-दमरूघुटू दोहरीकरण, दमरूघुटू-बोकारो स्टील सिटी तीसरी एवं चौथी रेल लाइन (52 कि.मी.)	815
17	रानाघाट-बंगांव दोहरीकरण (33 कि.मी.)	396
18	यार्ड से होकर हिजली-निमपुरा तीसरी लाइन (6 कि.मी.)	234
19	न्यू जलपाईगुड़ी-सिलीगुड़ी दोहरीकरण (7 कि.मी.)	215
20	ठाकुरगंज-सिलीगुड़ी दोहरीकरण (56 कि.मी.)	916
21	रामपुरहाट में बाईपास रेल लाइन (12 कि.मी.)	190

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- भूमि अधिग्रहण
- वन संबंधी मंजूरी
- अतिलंघनकारी जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण
- विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक मंजूरी
- क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक स्थितियाँ
- परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति
- किसी विशेष परियोजना स्थल आदि के लिए एक वर्ष में कार्य अनुकूल महीनों की संख्या।

ये सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

ऊपरी/निचले सड़क पुलः

रेलवे द्वारा कार्यों की प्रगति में तेजी लाने के लिए निम्नानुसार उपाय किए गए हैं:

i. **सामान्य व्यवस्था आरेख (जीएडी) को अंतिम रूप देने से पहले सुचारू रूप से निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए संबंधित राज्य सरकार/सड़क स्वामित्व प्राधिकरण के साथ संयुक्त सर्वेक्षण किया जाता है।**
ii. **आरओबी/आरयूबी कार्यों से संबंधित विभिन्न मुद्दों को हल करने के लिए रेलवे और राज्य सरकार के पदाधिकारियों की आवधिक बैठकें की जाती हैं।**
iii. **डिजाइन अनुमोदन के दौरान होने वाले विलंब से बचने के लिए रेलवे के हिस्से में विभिन्न स्पैन, विषमतलीयता तथा सड़क की चौड़ाई के विभिन्न संयोजनों हेतु अधिसंरचना एवं उपसंरचना के आरेखों का मानकीकरण किया गया है। इसे एक सार संग्रह के रूप में जारी किया गया है, जिसे शीघ्र योजना निर्माण के लिए रेलवे लाइनों पर ऊपरी सड़क पुल के लिए सीधे अपनाया जा सकता है।**

योजना शीर्ष (पीएच-30) के तहत ऊपरी/निचले सड़क पुलों के कार्यों के आबंटन/संशोधित अनुमान (आरई) और व्यय का ब्यौरा क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है न कि राज्य-वार/जिला-वार। पश्चिम बंगाल राज्य तीन क्षेत्रीय रेलों अर्थात् पूर्व रेलवे, दक्षिण पूर्व रेलवे और पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के अधिकार क्षेत्र में आता है। वर्ष 2022-26 के दौरान इन क्षेत्रीय रेलों को योजना शीर्ष-30 के तहत कुल 3771 करोड़ रुपये का आबंटन किया गया है, जिसमें वर्तमान वर्ष अर्थात 2026-27 भी शामिल है। वर्ष 2022-26 (मई 2026 तक) के दौरान इन क्षेत्रीय रेलों द्वारा योजना शीर्ष-30 के तहत 2950 करोड़ रुपये का व्यय उपगत किया गया है।

अमृत भारत स्टेशन योजना:

रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास हेतु अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में भारतीय रेल के रेलवे स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और चरणबद्ध रूप में उनका कार्यान्वयन करना शामिल हैं। मास्टर प्लान बनाने में प्रत्येक स्टेशन की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित कार्य शामिल किए गए हैं:

- रेलवे स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुँच में सुधार
- रेलवे स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण
- रेलवे स्टेशन भवन में सुधार
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, वाटर-बूथों में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े ऊपरी पैदल पुल/भूमिगत पैदल पार पथ का प्रावधान
- लिफ्टों/एस्केलेटरों/रैम्प का प्रावधान
- प्लेटफ़ॉर्म की सतह में सुधार/प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर का प्रावधान
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान
- पार्किंग क्षेत्र का विकास
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँ
- बेहतर यात्री सूचना प्रणालियां
- एयर कॉनकोर्स, एक्ज़ीक्यूटिव लाउंज, यातायात के साधनों का एकीकरण, भुसुदर्शनीकरण आदि की व्यवस्था।

इस योजना में आवश्यकता, चरणबद्धता और व्यवहार्यता के अनुसार संवहनीय और पर्यायवरण अनुकूल समाधानों आदि तथा दीर्घकालिक आधार पर स्टेशन पर सिटी सेंटर के निर्माण की परिकल्पना की गई है।

अभी तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए 1340 रेलवे स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें से 102 स्टेशन पश्चिम बंगाल में स्थित हैं। पश्चिम बंगाल में

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नलिखित हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
पश्चिम बंगाल	102	आद्रा, अलीपुरद्वार जं., अलुआबारी रोड, अंबिका कालना, अनारा, अण्डाल जं., अंदुल, आसनसोल जं., अजीमगंज, बगनान, बल्ली, बालुरघाट, बंदेल जं., बनगांव जं., बांकुरा, बाराभूम, बारासात, बर्धमान, बैरकपुर, बेल्दा, बरहामपुर कोर्ट, बेथुयादाहारी, भालुका रोड, बिन्नागुड़ी, बिष्णुपुर, बोलपुर शांतिनिकेतन, बर्नपुर, कैनिंग, चंदन नगर, चांदपारा, चंद्रकोना रोड, दलगांव, दलखोला, दनकुनी, धुलियन गंगा, धुपगुड़ी, दीघा, दिनहाटा, दमदम जं., फालाकाटा, गरबेटा, गेडे, हल्दिया, हल्दीबाड़ी, हरिश्चंद्रपुर, हासीमारा, हिजली, हावड़ा जं., जलपाईगुड़ी, जलपाईगुड़ी रोड, जंगीपुर रोड, झालिदा, झारग्राम, जॉयचंडी पहाड़ जं., कालियागंज, कल्याणी, कल्याणी घोषपारा, कामाख्यागुड़ी, कटवा जंक्शन, खगराघाट रोड, खड़गपुर जंक्शन, कोलकाता, कृष्णनगर सिटी जंक्शन, कुमेदपुर जंक्शन, मधुकुंडा, मध्यमग्राम, मालदा कोर्ट, मालदा टाउन, मेचेदा, मेदिनीपुर (मिदनापुर), नवद्वीप धाम, नैहाटी जंक्शन, न्यू अलीपुरद्वार, न्यू कूच बिहार, न्यू फरक्का जंक्शन, न्यू जलपाईगुड़ी जंक्शन, न्यू माल जंक्शन, ओंडाग्राम, पानागढ़, पांडबेश्वर, पंसकुरा जंक्शन, पुरुलिया जंक्शन, रामपुरहाट जंक्शन, राणाघाट, सैंथिया जंक्शन, सालबोनी, समसी, सांतरागाछी, सियालदह, शालीमार, शांतिपुर, श्योरफुली जंक्शन, श्रीरामपुर, सिलीगुड़ी जंक्शन, सीतारामपुर, सिउरी, सोनारपुर जंक्शन, सुईसा, तामलुक, तारकेश्वर, तुलिन, उलुबेरिया

पश्चिम बंगाल के वे स्टेशन जहां कार्य पूरे किए जा चुके हैं:

पश्चिम बंगाल राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं। पश्चिम बंगाल में उन स्टेशनों के नाम जहां कार्य पूरा हो गया है, का विवरण निम्नलिखित है:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
पश्चिम बंगाल	13	अनारा, बाराभूम, दीघा, गड़बेता, हल्दिया, हल्दीबाड़ी, जलपाईगुड़ी रोड, जॉयचंडी पहाड़ जं, कल्याणी घोषपाड़ा, कामाख्यागुड़ी, पानागढ़, सिउरी, तामलुक

पश्चिम बंगाल के अन्य स्टेशनों पर भी विकास कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं और कुछ स्टेशनों पर कार्यों की प्रगति निम्नानुसार है:

- **आजिमगंज स्टेशन: नए द्वितीय प्रवेश स्टेशन भवन का कार्य, मौजूदा स्टेशन भवन का सुधार कार्य, प्रवेश प्रांगण, परिचलन क्षेत्र का सुधार, पार्किंग, प्रतीक्षालयों तथा प्लेटफॉर्म सतह में सुधार के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। प्लेटफॉर्म शेल्टर का कार्य शुरू कर दिया गया है।**

- **बहरमपुर कोर्ट स्टेशन: प्लेटफॉर्म संख्या 1 एवं 2/3 पर प्लेटफॉर्म शेल्टर तथा प्लेटफॉर्म संख्या 2/3 पर प्लेटफॉर्म सतह में सुधार कार्य पूरे किए जा चुके हैं। प्लेटफॉर्म संख्या 4/5 पर प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म संख्या 1 पर प्लेटफॉर्म सतह के सुधार कार्य, बुकिंग काउंटर तथा 6 मीटर चौड़े पैदल पार पुल के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।**

- **धुलियान गंगा स्टेशन: परिचलन क्षेत्र का सुधार कार्य, प्रतीक्षालयों, शौचालय, बुकिंग काउंटर, संकेतकों तथा लिफ्टों के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। स्टेशन भवन के विस्तार, 6 मीटर चौड़े पैदल पार पुल और पार्किंग का सुधार कार्य शुरू कर दिया गया हैं।**

- **जंगीपुर रोड स्टेशन: प्रतीक्षालयों का सुधार संबंधी निर्माण कार्य, शौचालय, बुकिंग काउंटर, संकेतकों तथा लिफ्टों के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। स्टेशन भवन के विस्तार तथा परिचलन क्षेत्र के सुधार के निर्माण कार्य शुरू कर दिए गए हैं।**

- **खागड़ाघाट रोड स्टेशन: संकेतकों तथा रेलगाड़ी संकेतन बोर्डों के संस्थापन के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। स्टेशन भवन में सुधार, परिचलन क्षेत्र के सुधार, पार्किंग, प्रतीक्षालयों तथा प्रवेश प्रांगण के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।**

- **न्यू फरक्का जंक्शन स्टेशन: स्टेशन भवन में सुधार, प्रतीक्षालयों, शौचालय, प्रवेश बरामदे, संकेतकों तथा रेलगाड़ी संकेतन बोर्डों के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। परिचलन क्षेत्र के सुधार तथा पार्किंग के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।**

इसके अलावा, भारतीय रेल में रेलवे स्टेशनों पर विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्यों को आवश्यकता सापेक्ष प्राथमिकता और निधि की उपलब्धता के अध्यधीन शुरू किया जाता है। रेलवे स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण कार्य स्टेशन की कोटि/स्थिति/सम्हाले जाने वाले यातायात आदि के आधार पर किए जाते हैं।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल स्वरूप का होता है, जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा अंतर्ग्रस्त होती है और इसके लिए पेड़ों की कटाई, धरोहर, दमकल विभाग की स्वीकृति, विमानपत्तन संबंधी स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। ये स्टेशन काफी समय से परिचालित हैं, इसलिए जनोपयोगी सेवाओं (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) अतिलंघनों को स्थानांतरित करने, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों के परिचालन, रेलपथ एवं उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के नजदीक किए जाने वाले कार्यों के कारण गति

प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउनफील्ड कार्य संबंधी चुनौतियां सामने आ रही हैं और ये कारक कार्य की प्रगति और कार्य के पूरा होने के समय को प्रभावित करते हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत शामिल रेलवे स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण का वित्तपोषण सामान्यतः योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन और व्यय का ब्यौरा क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि रेलवे स्टेशन-वार या राज्य-वार। पश्चिम बंगाल राज्य चार क्षेत्रीय रेलों अर्थात् पूर्व रेलवे, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे, दक्षिण पूर्व रेलवे और मेट्रो रेलवे के क्षेत्राधिकार में आता है। इन क्षेत्रीय रेलों के लिए वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 1,231 करोड़ रुपए का आबंटन किया गया है, जिसमें से अब तक 471 करोड़ रुपए (जून, 2026 तक) का व्यय उपगत किया गया है।

****